राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 199

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शुक्रवार, 27 दिसंबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

दशक के पांच सर्वश्रेष्ठ विजडन क्रिकेटरों में विराट भी शामिल

>> 14

सरोकार

बीस साल की 'कैद' से निकल अब जिंदगी बुन रहा अरविंद

अमृतसर : यह कहानी मानसिक चुनौती का सामना करने वाले एक बहादुर बच्चे की है। जिसे निराश स्वजनों ने बीते बीस साल से कमरे में कैद कर रखा था। उसके चाचा ने साहस किया और बंधन खोला तो अरविंद ने चुनौती को धता बता जिंदगी जीत ली। (पेज-6)

जागरण विशेष

जैतून ने कर ली राजस्थान से यारी, अब दूसरों की बारी

जयपुर : जी हां, कम तापमान पर पैदा होने वाले जैतून ने तपते राजस्थान से यारी कर ली है। 2006 में इजरायल के तकनीकी परामर्श से शुरू हुआ यह प्रयोग आम किसान के लिए फायदे का सौदा साबित हुआ है। पौध अन्य राज्यों में भी जाना शुरू हो गई है। (पेज-7)

लोगों को हिंसा के लिए भड़काने वाले नेता नहीं : जनरल रावत

- नागरिकता कानून को लेकर हो रहे प्रदर्शनों पर सेना प्रमुख ने की टिप्पणी
- कहा, नेता वही जो लोगों को सही राह दिखाए, विवि, कॉलेजों के छात्रों के आंदोलनों का दिया हवाला

> नेता वह है, जो आपको सही दिशा में ले जाए, सही सुझाव दे और यह सुनिश्चित करे कि जिनका नेतृत्व वह कर रहा है, उनकी उसे परवाह है। नेता अपना व्यक्तिगत उदाहरण देकर समझाता है। यही वह चीज है, जिस पर हम सेना के लोग गर्व करते हैं।
> **-जनरल बिपिन रावत, सेना प्रमुख**

नई दिल्ली में गुरुवार को एक कार्यक्रम में थल सेना अध्यक्ष बिपिन रावत। प्रेट्र

नई दिल्ली, एजेंसियां : नागरिकता संशोधन कानून को लेकर देशभर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा है कि लोगों को हिंसा के लिए भड़काने वाले नेता नहीं हैं। गुरुवार को एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को नेता नहीं कहा जा सकता, जो लोगों को गलत दिशा में ले जाते हैं। लोगों का सही दिशा में नेतृत्व करने वाले को ही नेता कहा जाएगा। जनरल रावत की इस टिप्पणी से सियासी घमासान तेज हो गया और विपक्षी दलों ने उनके बयान की कड़ी आलोचना की।

सेना प्रमुख ने कहा कि नेतृत्व एक जटिल प्रक्रिया है, क्योंकि जब आप आगे बढ़ते हैं, हर कोई आपके पीछे चलने लगता है। यह उतना आसान नहीं है। यह आसान दिखता है, लेकिन असल में जटिल प्रक्रिया है। हालांकि भीड़ से भी नेता उभरता है। लेकिन, नेता वह है, जो लोगों को सही दिशा में ले जाए। इन दिनों विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्रों द्वारा चलाए जा रहे आंदोलनों का उदाहरण देते हुए जनरल रावत ने कहा कि जिस तरह शहरों में लोगों को हिंसा के लिए भड़काया जा रहा है, वह नेतृत्व नहीं है।

नागरिकता कानून पर हुए हिंसक प्रदर्शन : इसी माह संसद के दोनों सदनों द्वारा नागरिकता संशोधन कानून पारित किए जाने के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन हुआ। उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में कई लोग घायल हुए और कुछ प्रदर्शनकारियों की मौत भी हो गई। आंदोलनकारियों से निपटने में कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

पूर्व नौसेना प्रमुख ने बयान को गलत बताया : पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल एल रामदास ने जनरल रावत के सार्वजनिक बयान को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि नियम बहुत साफ है कि हम देश की सेवा करते हैं और राजनीतिक बल नहीं हैं। राजनीतिक बयान देना, जैसा कि हमने आज सुना है, किसी भी सेवारत सैनिक के लिए पूरी तरह गलत है। चाहे वह शीर्ष पर बैठा हो या निचले स्तर पर हो।

सेना ने दिया स्पष्टीकरण : जनरल रावत की टिप्पणी पर राजनीतिक बयानबाजी तेज होने के बाद सेना ने एक बयान जारी कर सफाई दी कि सेना प्रमुख ने नागरिकता संशोधन कानून का जिक्र नहीं किया है। बयान में कहा गया है कि उन्होंने किसी राजनीतिक घटना या व्यक्तित्व का हवाला नहीं दिया है। वे छात्रों को संबोधित कर रहे थे। छात्रों को सही राह दिखाना उनकी जिम्मेदारी है, क्योंकि वे देश के भविष्य हैं। कश्मीर घाटी में युवाओं को पहले उन लोगों द्वारा गुमराह किया गया, जिन पर उन्होंने विश्वास किया कि ये हमारे नेता हैं।

बयान पर बिफरा विपक्ष

सेना प्रमुख ने नागरिकता कानून के विरोध में प्रदर्शनों पर कहा कि नेता वह नहीं है, जो लोगों को हिंसा के लिए भड़काए। मैं आपसे सहमत हूं जनरल साहब। लेकिन, नेता वह भी नहीं है, जो अपने समर्थकों को सांप्रदायिक आधार पर नरसंहार में शामिल होने की इजाजत दे। क्या आप मुझसे सहमत हैं जनरल साहब?

-दिग्विजय सिंह, कांग्रेस नेता

हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। यहां तक कि प्रधानमंत्री भी दावा करते हैं कि उन्होंने आपातकाल का विरोध किया था। यदि कहीं हिंसा होती है, तो उस पर नियंत्रण करने के लिए पुलिस है। नागरिक मामलों में सेना क्यों दखल दे रही है।

-असदुद्दीन ओवैसी, एआइएमआइएम प्रमुख

सेना प्रमुख के बयान से स्पष्ट है कि मोदी सरकार के समय में हालात किस कदर बिगड़े हैं कि सेना के शीर्ष पर बैठा आदमी इस तरह से अपनी संवैधानिक भूमिका का उल्लंघन कर रहा है। इससे स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि क्या सेना का राजनीतीकरण कर हम पाकिस्तान के रास्ते पर नहीं जा रहे हैं?

-पोलित ब्यूरो, माकपा

डिटेंशन सेंटर पर खुद फंसी कांग्रेस

प्रहार ▶ भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बताया 'झूठों का सरदार'

राहुल गांधी का विवादित ट्वीट-आरएसएस के प्रधानमंत्री ने भारत माता से झूठ बोला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के ट्वीट पर तल्खी, भाजपा ने कांग्रेस राज में डिटेंशन सेंटर के दिए सुबूत

डिटेंशन सेंटर पर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश में कांग्रेस अब खुद ही फंस गई है। सीएए, एनआरसी और एनपीआर का विरोध करते-करते पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झूठा साबित करने की कोशिश की, लेकिन उनकी दलीलें कांग्रेस पर तब भारी पड़ गईं जब पलटवार में भाजपा ने सुबूतों के साथ यह साफ कर दिया कि डिटेंशन सेंटर कांग्रेस के शासनकाल में ही शुरू हुए थे। राहुल के प्रधानमंत्री को झूठा व आरएसएस का पीएम कहने पर भाजपा ने राहुल को 'झूठों का सरदार' करार दिया। साथ ही संप्रग सरकार के आधिकारिक बयान और असम की तत्कालीन कांग्रेस सरकार की ओर से जारी श्वेत पत्र का हवाला देकर बताया कि असम में डिटेंशन सेंटर कांग्रेस शासनकाल में ही बने थे।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी को झूठा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कामदार बताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में राफेल के मुद्दे पर माफी मांगने वाले राहुल अब डिटेंशन सेंटरों को लेकर झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल को किसी भी चीज का जानकारी नहीं है, लेकिन हर मुद्दे पर बोलते जरूर हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, 'प्रधानमंत्री मोदी ने सिर्फ इतना कहा था कि ऐसे कोई डिटेंशन कैंप नहीं बनाए गए हैं, जहां एनआरसी के बाद मुसलमानों को रखा जाएगा।' उन्होंने पीएम मोदी के रविवार के बयान को सही ठहराते हुए कहा कि एनआरसी का डिटेंशन सेंटर से कोई लेना-देना नहीं है और एनआरसी के लिए कोई डिटेंशन सेंटर नहीं खोला गया है।

भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने बताया कि असम में तीन डिटेंशन सेंटर उस समय बनाए गए थे, जब केंद्र और असम दोनों जगह पर कांग्रेस की सरकार थी। असम की तरुण गोगोई सरकार की ओर से 2012 में जारी श्वेत पत्र को दिखाते हुए पात्रा ने कहा कि इसके पेज नंबर 38 पर साफ लिखा है कि केंद्र सरकार ने असम सरकार को डिटेंशन सेंटर खोलने का निर्देश दिया था। श्वेत पत्र में यह भी लिखा था कि असम के गोलपाड़ा, कोकराझाड़ और सिलचर में तीन डिटेंशन सेंटर हैं, जिनमें क्रमशः 66, 32 और 20 विदेशियों को रखा गया है। इसी तरह पात्रा ने 2011 में मनमोहन सिंह की सरकार की ओर जारी आधिकारिक बयान की प्रति भी दिखाई। इसमें असम में डिटेंशन सेंटर खोलने की बात कही गई थी।

संबित पात्रा। फाइल

जेल नहीं होते हैं डिटेंशन सेंटर पेज>>5
एनपीआर के वेश में एनआरसी लाना चाह रही सरकार : कांग्रेस पेज>>5
गिरिराज बोले-राहुल गांधी झूठे और ओवैसी देश के दुश्मन पेज>>6

कांग्रेस नेता ने ट्वीट समेत वीडियो किया जारी

राहुल गांधी। फाइल

इससे पहले, गुरुवार की सुबह कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि वह असम में डिटेंशन सेंटर नहीं होने की बात पर देश से झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने हैशटैग झूठ झूठ झूठ के साथ विवादित ट्वीट किया, 'आरएसएस के प्रधानमंत्री ने भारत माता से झूठ बोला।' राहुल ने अपने आरोपों के समर्थन में ट्विटर पर एक वीडियो क्लिप भी पोस्ट की जिसमें मोदी को कहते हुए दिखाया गया है कि कांग्रेस, उसके सहयोगी दल और 'अर्बन नक्सल' यह अफवाह उड़ा रहे हैं कि मुसलमानों को डिटेंशन सेंटर भेज दिया जाएगा। इस वीडियो क्लिप में असम में कथित डिटेंशन सेंटर का निर्माण होते भी दिखाया गया है।

उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट, कई जिलों में इंटरनेट पर पाबंदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जुमे की नमाज से पहले पुलिस ने किए सुरक्षा के कड़े इंतजाम
- डीजीपी ने बैठक कर चप्पे-चप्पे पर नजर रखने का दिया निर्देश

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए 27 दिसंबर को एक बार फिर पूरे उत्तर प्रदेश में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। शुक्रवार को नमाज के बाद सभी संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा का कड़ा घेरा रहेगा। डीजीपी ओपी सिंह ने गुरुवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर चप्पे-चप्पे पर नजर रखे जाने के निर्देश दिए हैं। पीस कमेटी की बैठकें कर आपसी समन्वय से शांति-व्यवस्था कायम रखने को कहा गया है। थानों में आउट रीच प्रोग्राम के तहत पीस कमेटी की बैठकें कर सीएए के बारे में जानकारी भी दी गई। कई संवेदनशील जिलों में ऐतिहातन इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं।

फीरोजाबाद, आगरा, मथुरा में जुमे की नमाज के मद्देनजर प्रशासन ने एहतियातन इंटरनेट सेवा बंद करा दी है। गश्त बढ़ाने के अलावा पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी मुस्लिम समाज के प्रमुख लोगों से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। गोरखपुर में प्रशासन ने शुक्रवार को शहर, खासकर कोतवाली इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। दोपहर की नमाज से पहले उपद्रव प्रभावित इलाके में पैरामिलिट्री फोर्स और भारी पुलिस बल तैनात किया जाएगा। मुरादाबाद मंडल को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

मेरठ के डीआइजी दफ्तर में सोशल मीडिया लैब बनी है। यही लैब डिजिटल वालंटियर्स के जरिये पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी जिलों पर नजर रख रही है। पुलिस ने सभी मस्जिदों की सूची बनाकर सुरक्षा के बंदोबस्त किए हैं। इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

रामपुर में पीएसी और आरएएफ तैनात रहेगी। गाजियाबाद जिले में गुरुवार देर रात से 24 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। बिजनौर में शुक्रवार रात 12 बजे तक के लिए इंटरनेट सेवा को बंद कर दी गई है। मुजफ्फरनगर में संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा आरएएफ, पीएसी को सौंपी गई है। यहां इंटरनेट सेवा पर पाबंदी बरकरार है। सहारनपुर में भी इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। शामली में इंटरनेट सेवा शाम छह बजे से बंद कर दी गई। बदायूं में बिना अनुमति सत्याग्रह करने निकले लोकमोर्चा के 10 पदाधिकारियों को जेल भेज दिया गया। अलीगढ़ में रात शुक्रवार शाम पांच बजे तक इंटरनेट सेवा बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं।

जरूरत पड़े तो गठित करें एसआइटी पेज>>6

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

कैडर विलय से प्रभावित नहीं होगी अफसरों की वरिष्ठता

नई दिल्ली : रेल मंत्री पीयूष गोयल व रेलवे बोर्ड के चेयरमैन वीके यादव ने आशंकित अधिकारियों को आश्वस्त किया है कि रेलवे सेवाओं के कैडर विलय से उनकी वरिष्ठता प्रभावित नहीं होगी। रेल मंत्री ने ट्वीट कर कहा, 'रेलवे बोर्ड का हिस्सा बनने के लिए अफसरों को योग्यता व वरिष्ठता के आधार पर समान अवसर मिलेंगे।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

आतंकियों को ढूंढ़-ढूंढ़ कर मारो : दिलबाग सिंह

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को वादी में सक्रिय आतंकियों के सफाए के लिए आतंकरोधी अभियानों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आतंकियों को ढूंढ़-ढूंढ़ कर मारो।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

फ्रॉड रोकने के बैंकों के दावों की कलई खुली

नई दिल्ली : सरकारी क्षेत्र के बैंक चाहे जितनी भी सुरक्षित बैंकिंग व्यवस्था का बखान करें, हकीकत यह है कि वे बैंकिंग फ्रॉड यानी धोखाधड़ी को रोकने में एकदम विफल रहे हैं। वित्त वर्ष 2018-19 में देश के बैंकिंग सेक्टर में कुल 71,543 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले सामने आए हैं।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

इजरायल में आज तय होगा पीएम नेतन्याहू का भविष्य

यरुशलम : भ्रष्टाचार के मामलों में घिरे इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपनी ही पार्टी के भीतर चुनौती मिली है। सत्तारूढ़ लिकुड पार्टी का नया नेता चुनने के लिए गुरुवार को प्राइमरी चुनाव कराया गया। नेतन्याहू का सियासी भविष्य तय करने वाले इस चुनाव का नतीजा शुक्रवार को आने की उम्मीद है।

श्रीनगर पर चढ़ा फुटबॉल का खुमार...

श्रीनगर में गुरुवार को रीयल कश्मीर और चेन्नई सिटी के बीच आइ-लीग का फुटबॉल मुकाबला हुआ। पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद यह पहला फुटबॉल मैच था। मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंचीं। (खबर पेज-14 पर) कामरान रशीद बट

टुकड़े-टुकड़े गैंग को सबक सिखाएं : शाह

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- गृह मंत्री ने कहा, सीएए पर भ्रमित कर देश को दंगे की आग में झोंका
- दिल्ली की केजरीवाल सरकार पर भी बोला हमला

नागरिकता संशोधन कानून के लागू होने पर देश भर में हो रहे विरोध प्रदर्शन को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस और टुकड़े-टुकड़े गैंग ने देश व दिल्ली को दंगों की आग में झोंक दिया और शांति खत्म कर दी है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने संसद में इस कानून को लेकर कुछ नहीं बोला और बाहर निकलकर देश को भ्रमित करने का काम किया। अब वक्त आ गया है कि टुकड़े-टुकड़े गैंग और कांग्रेस को दंड दिया जाए।

अमित शाह गुरुवार को कड़कड़डूमा में ईस्ट दिल्ली हब की नींव रखने के दौरान आयोजित रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व टुकड़े गैंग के भ्रमित करने की वजह से जगह-जगह विरोध प्रदर्शन, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। इन्होंने अपने स्वार्थ के लिए भ्रांति फैलाकर देश की शांति भंग कर दी। शाह ने आप सरकार और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार तो कांग्रेस की गलत कार्य संस्कृति से भी आगे निकल गई। कांग्रेस की एक सरकार योजना बनाती थी, दूसरी बजट आवंटित करती थी, तीसरी भूमि पूजन करती थी और चौथी इसे भूल जाती थी, लेकिन केजरीवाल जी न सोचते हैं, न बजट बनाते हैं और न भूमि पूजन करते हैं, सीधे विज्ञापन देकर उस पर अपना ठप्पा लगा देते हैं। लेकिन, मोदी सरकार शिलान्यास करने के बाद उद्घाटन भी करती है। हर काम का समय तय है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने हर घर में साफ पानी, जहां झुग्गी वहीं मकान और 40 लाख लोगों को मालिकाना हक देने का काम किया, लेकिन विज्ञापन देने वाली यह सरकार उसका श्रेय लेने में जुटी है। गरीबों को हक से वंचित करने के लिए आयुष्मान और प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू नहीं किया। लेकिन, मोदी सरकार 10 लाख झुग्गीवासियों को मकान देने जा रही है।

गुरुवार को नई दिल्ली के कड़कड़डूमा में पूर्वी दिल्ली हब के शिलान्यास के अवसर पर लोगों को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

दिल्ली ही नहीं, यह देश की पहली योजना पेज>>6

पीएम का अंदाज

सूर्यग्रहण देखने की कोशिश करते पीएम की तस्वीर पर यूजर ने किया था ट्वीट, मोदी के जवाब ने यूजर्स का दिल जीता, जमकर हुआ लाइक और रीट्वीट

ट्विटर यूजर ने कहा-मजाक बनेगा आपका, मोदी बोले-मजे करो

जेएनएन, नई दिल्ली

अपने नरम अंदाज से माहौल को हल्का बना देने की कला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खासियत मानी जाती है। गुरुवार को सोशल मीडिया पर उनकी यह खूबी फिर देखने को मिली। मोदी ने अपनी तस्वीर पर मीम बनाए जाने के ट्वीट पर बहुत हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब देकर सोशल मीडिया यूजर्स का दिल जीत लिया। कुछ ही घंटों में पीएम के ट्वीट को करीब सवा लाख लाइक मिल गया। 23 हजार लोगों ने इसे रीट्वीट किया और साढ़े छह हजार से ज्यादा लोगों का कमेंट आया। देर रात तक लाइक और रीट्वीट का यह सिलसिला जारी रहा।

गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी एक तस्वीर शेयर की थी। इसमें वह हाथ में चश्मा थामे आसमान की ओर ताकते दिख रहे हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा था, 'दुर्भाग्य से आसमान में बादल होने के कारण मैं सूर्यग्रहण का नजारा नहीं देख पाया।' इस तस्वीर के शेयर होने के कुछ देर बाद गप्पिस्तान रेडियो नाम के यूजर ने मोदी की तस्वीर को पोस्ट करते हुए लिखा, 'इस पर मीम बनने जा रहा है।' इस ट्वीट ने लोगों का ध्यान तब खींचा जब मोदी ने खुद इस पर जवाब दिया। मोदी ने मीम बनने के ट्वीट पर जवाब दिया, 'बहुत-बहुत स्वागत है... मजे करो।' ट्वीट पर पीएम का जवाब आते ही लोगों ने इसे हाथों-हाथ लिया।

बनने लगे हैं मीम : पीएम मोदी की तस्वीर पर सोशल मीडिया यूजर्स ने मीम बनाना भी शुरू कर दिया है। कुछ लोगों ने आसमान की ओर निहारते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कई अन्य नेताओं की तस्वीरें साझा कीं। कुछ यूजर्स तस्वीर के साथ तरह-तरह की मजाकिया टिप्पणी भी करते दिखे। सोशल मीडिया पर मोदी के हाथ में पकड़े चश्मे की कीमत और कंपनी पर भी कयास लगाया जाने लगा। एक यूजर ने तस्वीर के साथ लिखा कि मोदी चांदनी चौक की एक दुकान में चश्मे का सही-सही रेट लगाने को कह रहे हैं।

मीम पर पहले भी बोले हैं पीएम : लोकसभा चुनाव से पहले बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इंटरव्यू लिया था। उस दौरान उन्होंने पूछा था कि अपने ऊपर बने मीम देखकर मोदी को कैसा लगता है। इस पर मोदी ने कहा, 'मैं इन्हें देखकर एंजॉय करता हूं। यह सोशल मीडिया की सबसे अच्छी बात है। इससे कॉमन मैन की क्रिएटिविटी समझने का मौका मिलता है। कितनी जल्दी सोच लेते हैं लोग। मैं इनमें मोदी नहीं लोगों की क्रिएटिविटी को ज्यादा देखता हूं। क्रिएटिविटी के साथ मेरा घोर विरोध हो, तब भी मजा आता है।'

क्या होता है मीम? : सोशल मीडिया पर किसी तस्वीर को अलग-अलग तरह से पेश कर मजाक बनाने या संदर्भ से इतर बातें लिखने को मीम कहा जाता है। किसी तस्वीर से मिलती-जुलती अन्य संदर्भ वाली तस्वीरों को जोड़ते हुए मजाक बनाना भी इसी का हिस्सा है।

नई दिल्ली में गुरुवार को सूर्यग्रहण का नजारा देखने के लिए विशेष चश्मा पहनकर आसमान की ओर निहारते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। प्रेट्र

लाइव स्ट्रीमिंग से देखा सूर्यग्रहण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लाइव स्ट्रीमिंग के जरिये सूर्यग्रहण का नजारा देखा। उन्होंने ट्वीट कर बताया, 'कोझिकोड एवं देश के अन्य हिस्सों में लाइव स्ट्रीमिंग के जरिये सूर्यग्रहण की झलक देखी। इस दौरान विशेषज्ञों से चर्चा कर इस संदर्भ में अपनी जानकारी बढ़ाई।' मोदी ने लाइव स्ट्रीमिंग के जरिये सूर्यग्रहण देखते हुए और विशेषज्ञों से चर्चा करते हुए तस्वीरें भी शेयर कीं।

शोएब अख्तर ने कहा-हिंदू होने के कारण कनेरिया ने सही मुसीबत

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

रहस्योद्घाटन

- कहा, साथी खिलाड़ी साथ में खाना नहीं खाने देते थे
- लतीफ ने कहा, यूसुफ के साथ भी किया गया बुरा बर्ताव

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने देश के पूर्व लेग स्पिनर दानिश कनेरिया पर हैरान करने वाला रहस्योद्घाटन किया है। पाकिस्तान के एक टीवी शो में शोएब ने कहा कि दानिश हिंदू थे इसलिए उनके साथ नाइंसाफी हुई। हमारे कुछ खिलाड़ियों को तो इस बात पर भी ऐतराज था कि वह हमारे साथ खाना क्यों खाते थे? 'गेम ऑन है' नामक चैट शो में शोएब के साथ पूर्व पाकिस्तानी कप्तान राशिद लतीफ और पूर्व बल्लेबाज आसिम कमाल भी थे।

कनेरिया पर शोएब का रहस्योद्घाटन : शोएब ने कहा कि मुहम्मद यूसुफ (यूसुफ योहाना) के 12000 रन होने थे, लेकिन हमने उन्हें कभी सेफगार्ड नहीं किया। मेरी दो-तीन खिलाड़ियों से लड़ाई हुई। मैंने कहा कि अगर कोई हिंदू है तो भी वह खेलेगा और उसी हिंदू ने हमें टेस्ट सीरीज जिताई। टीवी शो के होस्ट डॉक्टर नुमान रियाज ने फौरन कहा कि दानिश कनेरिया ने जिताई। शोएब ने आगे कहा कि बात खुल जाएगी लेकिन, बता दूं कि कुछ खिलाड़ियों ने मुझसे कहा कि यह (दानिश) यहां से खाना क्यों ले रहा है। मैंने उनसे कहा कि मैं तुम्हें यहां से उठाकर बाहर फेंक दूंगा। कप्तान होगे, तुम अपने घर के। वह तुम्हारे लिए छह-छह विकेट ले रहा है। इंग्लैंड में दानिश और शमी ने ही हमें सीरीज जिताई थी।

ड्रेसिंग रूम खराब कर देते हैं खिलाड़ी पेज>>6